साँवरे तेरा दर जन्नत की डगर | By Chaitanya Dadhich

सांवरे तेरा दर जन्नत की डगर
मुझे खाटू बुलाया तेरा शुक्रिया
मेरी तुझसे गुज़र, रेहमत की नज़री
तूने डाली जो मुझपे तेरा शुक्रिया
मैं तो कुछ भी ना था आज जो कुछ बना
तूने अपना बनाया तेरा शुक्रिया

मेरे बाबा मैं एहसान कितने गिनू
हर एक सांस मेरी तेरे नाम है
मन हुआ बावरा मिल गया सांवरा
और गले से लगाया तेरा शुक्रिया

आँख उनकी झुकी जो मिलाते ना थे
आँख अपनी कभी भी मेरी आँख से
ख़ाक में था पड़ा तू दयालु बड़ा
हर नज़र में बसाया तेरा शुक्रिया

छूटे ना दर तेरा अब कभी सांवरे
जी ना पाएंगे वरना तेरे बावरे
प्यार की ये नज़र चेतन सब पे कर
रहे दिल में समाया तेरा शुक्रिया
सांवरे तेरा दर.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a1%e0%a4%97/